

'श्रीकृष्ण' मां अक्षरातीत नी आवेश
तथा अक्षरब्रह्मनी आत्मशक्तिनुं आगमन
हमको जेल देखावन काज, हमसे आगे आये श्री राज ॥

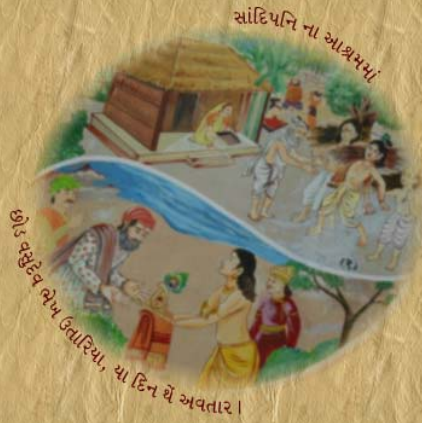
नंदजना बेर 'गोवोकी शक्ति युक्त विष्णु'
वसुदेव गोकुल ले गले, ताये न कडिअे अवतार ।
सो तो नहीं एन हडका, अर्धंड वीवा है पार ॥



गोपिकाओ सोण शषगार सख
पोताना धाम-दुखडा ना दर्शने

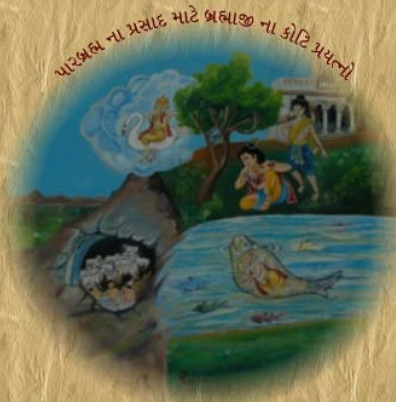
शंकर भगवान बिभारी
रूपे पारब्रह्म ना दर्शने

कुणगुड गगनियार्य द्वारा
श्री 'कृष्ण' नामकरण



सादिपनि ना आश्रममां

छोः वसुदेव लेम उतारिया, सा दिन ये अवतार ।



पारब्रह्म ना प्रसाद माटे ब्रह्माज ना कोटि प्रयत्नो

योगमायाना अर्धंड ब्रह्माडमां मडारास वीवा



ब्रह्मनांद स्वरुपे रासवीवा



प्रतिबिंब प्रकलीवा

देहक्याओ साथे प्रतिबिंब रासवीवा



'गोवोकी शक्ति युक्त विष्णु' नुं मथुरागमन

इंस वध

'विष्णु श्रीकृष्ण' नो ऋक्षमणि साथे विवाह



'विष्णु श्रीकृष्ण' द्वारा गीता उपदेश